



राष्ट्र के हित में शिक्षा

• शिक्षा के हित में शिक्षक

• शिक्षक के हित में समाज

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

अखिल भारतीय साधारण सभा, भाग्यनगर (हैदराबाद), तेलंगाना

महामंत्री प्रतिवेदन

3 अक्टूबर 2026

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ भारत की सांस्कृतिक एवं बौद्धिक धरोहर से प्रेरणा लेकर समाज को राष्ट्रहित के लिए जागृत करने के संकल्प के साथ 1988 से कार्यरत है। 'राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक, शिक्षक के हित में समाज' के त्रि सूत्रीय संकल्प के साथ महासंघ वर्तमान में 29 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 15 लाख 8 हजार से अधिक शिक्षकों की भागीदारी के साथ शिक्षा एवं राष्ट्र हित में कार्यरत है।

कर्तव्यबोध दिवस

कर्तव्य परायणता को आदर्श रूप में स्वीकार कर जीवन जीने वाले निष्ठावान शिक्षक समाज में प्रेरणा बने, इस दृष्टि से देश में स्वामी विवेकानन्द जयंती (12 जनवरी) से नेताजी सुभाष चंद्र जयंती (23 जनवरी) के मध्य कर्तव्यबोध दिवस महासंघ के कार्यकर्ताओं द्वारा मनाया जाता है। इस वर्ष 741 स्थानों पर 5972 कार्यक्रमों में शिक्षक एवं समाज के 216320 विद्वज्जन सहभागी हुए।

वर्ष प्रतिपदा

भारतीय नव वर्ष के उत्सव को महासंघ की इकाइयों द्वारा भारतीय कालगणना एवं भारतीय संस्कृति पर संगोष्ठी, चौराहों एवं घर, संस्थानों पर सज्जा, दीपदान, शुभेच्छा संदेश के कार्यक्रम सम्पन्न हुए। इस वर्ष 429 स्थानों पर 2712 कार्यक्रम आयोजित हुए जिनमें 89872 बंधु/बहिनों ने भाग लिया।

गुरु वंदन कार्यक्रम

भारतीय गुरु शिष्य परंपरा को 21वीं शताब्दी में आत्मसात कर अज्ञान से ज्ञान का पथ प्रदर्शित करने की भावना से महासंघ की इकाइयों द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुवंदन कार्यक्रम सम्पन्न किये गए। इस वर्ष 682 स्थानों पर 5329 कार्यक्रम आयोजित हुए जिनमें 213175 बंधु/बहिनों ने भाग लिया।

'शिक्षा भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान कार्यक्रम

महासंघ द्वारा प्रतिवर्ष शैक्षिक एवं सामाजिक दृष्टि से असाधारण एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन श्रेष्ठ शिक्षाविदों को 'शिक्षा भूषण अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान', जिसमें 1 लाख रुपये की राशि, रजत चिन्ह, सम्मान पत्र आदि से सम्मानित किया जाता है। शिक्षक द्वारा शिक्षक के सम्मान का यह अनूठा उदाहरण है जिसमें सम्मान की सम्पूर्ण राशि का व्यय शिक्षकों द्वारा केवल एक बार के रू. 100 के अंशदान से बने अक्षय कोष के माध्यम से होता है।

10 वाँ 'शिक्षा भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान कार्यक्रम जयपुर, राजस्थान में 6 अक्टूबर 2025 को केशव विद्यापीठ में आयोजित किया गया। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ एवं शैक्षिक फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'शिक्षा भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान समारोह में तीन शिक्षकों को सम्मानित किया। इस सफल एवं सार्थक कार्यक्रम में महामंडलेश्वर जूना अखाड़ा, आध्यात्मिक गुरु स्वामी अवधेशानंद गिरी जी महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश सोनी जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

2025 का शिक्षा भूषण सम्मान प्रसिद्ध अर्थशास्त्री, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति रहे, उदयपुर राजस्थान के प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा, प्रसिद्ध समाजशास्त्री, भगतपूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति रहीं, दिल्ली की प्रो. सुषमा यादव एवं संस्कृत के गूढ़ अध्येता, केरल के श्री वि. जे. श्रीकुमार को दिया गया।

9वाँ अखिल भारतीय अधिवेशन

शैक्षिक महासंघ का 9वाँ अखिल भारतीय अधिवेशन 5,6,7 अक्टूबर 2025 को केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर राजस्थान में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में देश के 24 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से 3820 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री, विद्यालय शिक्षा मंत्री की उद्घाटन सत्र में एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक माननीय सुरेश सोनी जी की समापन सत्र में गरिमामयी उपस्थिति रही। संगठन की 37 वर्षों की यात्रा पर एक प्रेरणादायी एवं दर्शनीय प्रदर्शनी का आयोजन रहा।

भारत की वीरांगनाएँ - राष्ट्रीय चेतना की ज्योति

भारतीय इतिहास में मातृशक्ति, राष्ट्रीय चेतना की ज्योति के रूप में हर युग में ऊर्जा और प्राण समाज में प्रस्फुटित करती रही हैं।

- क. रानी अबकका के जीवन से प्रेरित कार्यक्रमों का आयोजन देशभर में किया गया। कर्नाटक में उच्च शिक्षा इकाई द्वारा 500 घंटे में 580 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें 50,000 छात्र एवं शिक्षकों की उपस्थिति रही। इन उच्च शिक्षा संस्थानों में 470 महाविद्यालय, 22 विश्वविद्यालय एवं 92 प्रोफेशनल संस्थान रहे।
- ख. राजस्थान में रानी अबकका के जीवन से प्रेरित 'मातृशक्ति शिक्षिका चेतना से जागृत राष्ट्र स्वाभिमान' कार्यक्रम आयोजित किए गए। 432 कार्यक्रम 364 स्थानों पर आयोजित हुए जिनमें 22,646 मातृशक्ति की उपस्थिति रही।
- ग. गुजरात के सभी जिलों की 173 तहसीलों और 1315 विद्यालयों में मातृशक्ति वंदन एवं कन्यापूजन कार्यक्रमों में 36155 शिक्षिकाओं का सहभाग रहा।
- घ. मातृशक्ति की सक्रियता बढ़ाने हेतु इकाइयों द्वारा महिला सम्मेलन एवं विचार गोष्ठियों का आयोजन किया गया।

सेवा कार्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व

- एक शिक्षक एक वृक्ष अभियान के अंतर्गत प्रति वर्ष एक शिक्षक के द्वारा न्यूनतम एक वृक्ष का रोपण एवं उसकी देख-रेख का संकल्प लिया गया।
- एक शिक्षक एक विद्यार्थी कार्यक्रम के अंतर्गत आर्थिक सामाजिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों की फीस, यूनिफार्म, पुस्तकें आदि की जिम्मेदारी सदस्यों द्वारा ली गई।
- पुस्तक बैंक योजना के अंतर्गत आर्थिक दृष्टि से कमजोर छात्रों को पुस्तकें, गणवेश (यूनिफार्म) एवं अन्य सामग्री प्रदान की गई।
- जीव सृष्टि कल्याण योजना के अंतर्गत पशुओं के लिए चारा, पक्षियों के लिए भोजन पानी, गौशाला परिसरों आदि के लिए व्यवस्था का कार्य भी विभिन्न इकाइयों द्वारा बड़ी मात्रा में किया गया।
- पश्चिम बंगाल राज्य इकाई द्वारा चौथी, पाँचवीं और आठवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के लिए 'आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय प्रतिभा अन्वेषण अभीक्षा 2026' का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। चौथी कक्षा के 22,383, पाँचवीं कक्षा के 35,162 और आठवीं कक्षा के 27,283 विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल हुए। कुल 84,000 से अधिक परीक्षार्थियों ने इस प्रतिस्पर्धी मूल्यांकन में स्वतःस्फूर्त रूप से भाग लिया। राज्य इकाई के सभी शिक्षक एवं शिक्षाकर्मी सदस्यों ने प्रत्येक जिले के परीक्षा केंद्रों पर सक्रिय भूमिका निभाई।
- गुजरात माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित मार्च एवं मई माह की बोर्ड परीक्षाओं के दौरान गुजरात के विभिन्न जिलों में जिला स्तर पर विद्यालय शिक्षा संवर्ग द्वारा परीक्षा के कारण उत्पन्न तनाव से बाहर आने के लिए काउंसलिंग सेंटर संचालित किए गए। इन केंद्रों के माध्यम से 1.22 लाख से अधिक विद्यार्थियों को परीक्षा संबंधी मार्गदर्शन एवं काउंसलिंग प्रदान की गई।
- गुजरात के प्रसिद्ध अंबाजी भादरवी पूनम मेले में प्रतिवर्ष लगभग 35 लाख से अधिक श्रद्धालुओं एवं पदयात्रियों के बीच पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरण हेतु Single Use Plastic का संग्रहण करने तथा लोगों को Single Use Plastic का न्यूनतम उपयोग करने के लिए जागरूक एवं प्रेरित करने हेतु 22-26 सितम्बर 2026 को विद्यालय शिक्षा इकाईयों द्वारा अभियान लिया गया जिसमें 540 कार्यकर्ता आस्था के साथ स्वच्छता, सेवा के साथ जिम्मेदारी और राष्ट्रभक्ति के साथ पर्यावरण संरक्षण अभियान में सेवा दान के लिए सम्मिलित हुए।
- राजस्थान विद्यालय शिक्षा द्वारा विभिन्न स्थानों पर 5 रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें कार्यकर्ताओं द्वारा कुल 722 युनिट रक्तदान किया गया।
- विद्यालयों में अनुशासन, संस्कार एवं सकारात्मक वातावरण हेतु राजस्थान में एक दिवसीय आकर्षक एवं प्रभावी प्रार्थना सभा का आयोजन जिसमें 10,000 विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

कार्य विस्तार

उच्च शिक्षा के विभिन्न क्षेत्र यथा कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान, केंद्रीय विश्वविद्यालय, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के शिक्षकों के साथ व्यापक स्तर पर बैठक संपन्न कर तीनों के अलग-अलग फोरम बनाकर इस क्षेत्र में संगठन का कार्य विस्तार हुआ है। कृषि विश्वविद्यालय एवं पशु चिकित्सा संस्थानों के 38 संस्थानों के शिक्षकों के साथ योजनाबद्ध बैठक के पश्चात अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ कृषि फोरम की घोषणा अप्रैल 2026 में की गयी।

प्रकाशन

मासिक पत्रिका 'शैक्षिक मंथन', शैक्षिक एवं समसामयिक विषयों पर पिछले 18 वर्षों से अधिक समय से नियमित उत्कृष्ट एवं सारगर्भित प्रकाशन से अपनी उल्लेखनीय पहचान बना रही है। शैक्षिक फाउंडेशन द्वारा वैचारिक प्रबोधन के लिए 34 पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है। वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत संत रविदास जी के 650 वें प्राकट्य वर्ष के उपलक्ष में 'संत शिरोमणि सदगुरु श्री रविदास' पुस्तक प्रकाशित हुई है।

इस वर्ष 'स्वत्व का आधार लेकर भारती की जय करें' विषय पर केंद्रित भारत के महापुरुषों द्वारा उद्भूत विचार, उनके चित्रों से सुसज्जित वार्षिक कैलेंडर का प्रकाशन महासंघ द्वारा किया गया है। महासंघ के द्वारा देशभर में हो रही गतिविधियों की जानकारी पाक्षिक न्यूज लेटर एबीआरएसएम समाचार के माध्यम से प्रकाशित की जाती है। इसके अलावा राज्य संगठनों द्वारा मासिक, पाक्षिक पत्रिकाओं, न्यूज लेटर, डायरी आदि का प्रकाशन नियमित रूप से किया जाता है।

सांगठनिक गतिविधियाँ

संगठन की अखिल भारतीय स्तर से लेकर खंड इकाई स्तर तक कार्यकारिणी बैठक, कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग, प्रशिक्षण वर्ग, परिचय वर्ग, अधिवेशन, विधान अनुसार संगठनात्मक निर्वाचन नियमित रूप से सम्पन्न हुए। प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा, महिला संवर्ग के साथ-साथ शैक्षिक प्रकोष्ठ, प्रशिक्षण और मीडिया प्रकोष्ठ की कार्य योजना की अनुसार नियमित रूप से गतिविधियाँ आयोजित की गई।

विशेष कार्यक्रम एवं संगोष्ठियाँ

इस वर्ष विभिन्न समसामयिक-सामाजिक-सांस्कृतिक विषयों पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों एवं व्याख्यानों का आयोजन देशभर की इकाईयों द्वारा किया गया।

क. नई दिल्ली के डॉक्टर अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय सभागार में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'डिजिटल समाज और मानवीय मूल्य- AI युग में एकात्म मानव दर्शन की प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित किया गया। देश विदेश के 780 प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में सहभाग किया। उद्घाटन सत्र में माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद एवं समापन सत्र में माननीय केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्रों का संकलन कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स के रूप में प्रकाशित किया गया।

ख. ABRSM-NIT फॉर्म के द्वारा निम्नलिखित क्षेत्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया गया -

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'NEP 2020 Implementation Journey : Building Sustainable Pathways for Future Directions' विषय पर ABRSM- NITTF द्वारा NITTTR चंडीगढ़ में 7-8 फरवरी 2026 को आयोजित की गयी। इस संगोष्ठी में विभिन्न प्रमुख तकनीकी शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सहभागी संस्थानों में MNIT जयपुर, NIT कुरुक्षेत्र, NIT हमीरपुर, NIT जालंधर, NIT दिल्ली, NIT उत्तराखंड, NIT जम्मू एवं कश्मीर, IISER मोहाली, NITTTR चंडीगढ़, SLIET लोंगोवाल तथा IIT रुड़की के 50 प्रतिभागी शामिल हुए। इसके अतिरिक्त विभिन्न राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (NITs) के तीन निदेशकों ने भी संगोष्ठी में सहभागिता की।
2. उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में NEP 2020 पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के NITs के लिए 'Implementation of NEP 2020 Challenges and Opportunities in NE Region' विषय पर NIT नागालैंड द्वारा 27-28 फरवरी 2026 को सम्मलेन का आयोजन हुआ जिसमें उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के सभी NITs से 150 प्रतिभागियों की सहभागिता रही।
3. RECs से NITs के रूपांतरण पर विशेष व्याख्यान SVNIT सूरत द्वारा 21 अप्रैल 2026 को 'Journey of RECs to NITs (Past to Present) : A Transformation' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें SVNIT सूरत के निदेशक भी

शामिल थे। व्याख्यान में पूर्ववर्ती क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालयों (RECs) से वर्तमान राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (NITs) तक की ऐतिहासिक यात्रा एवं संस्थागत रूपांतरण पर चर्चा की गई। साथ ही, इन संस्थानों के विकास तथा भारतीय तकनीकी शिक्षा व्यवस्था में उनकी बदलती भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया।

- ग. अभिलेखागार समन्वयकों हेतु एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'अपनी विरासत को सहेजना-भविष्य के लिए ABRSM अभिलेखागार का निर्माण' का आयोजन केशव कुंज, नई दिल्ली में 21 फरवरी 2026 को किया गया। इस कार्यशाला में संगठन के संबद्ध राज्य इकाइयों के अभिलेखागार समन्वयकों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें संगठन के अभिलेखागार नेटवर्क की स्थापना, संरचना और भविष्य की दिशा पर विचार-विमर्श किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर के 18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कुल 44 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- घ. दिनांक 6-7 जून 2026 को आईआईटीई, गांधीनगर गुजरात में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ तथा आईआईटीई गांधीनगर गुजरात के संयुक्त आयोजन में दो दिवसीय कुटुंब शिक्षा विषय पर कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला में प्रतिभागियों को पूरे 2 दिन पुनरूत्थान विद्यापीठ की माननीया कुलपति डॉ. इंदुमती काटदरे का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यशाला में आठ शोध पत्रों का वाचन हुआ। सात राज्यों से 25 प्रतिभागियों (विद्यालय शिक्षा तथा उच्च शिक्षा सहित) की कार्यशाला में सहभागिता हुई। कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन '**विकसित भारत @ 2047 के लिए धारण श्रम कृषि : परंपरा, प्रौद्योगिकी एवं मूर्त परिणाम**' 13-14 जून 2026 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद परिसर, दिल्ली में आयोजित किया गया। 33 कृषि विश्वविद्यालयों से 115 शिक्षक एवं वैज्ञानिकों की सहभागिता रही। माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी की उद्घाटन सत्र में एवं समापन सत्र में कृषि राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्रों की सार पुस्तिका का प्रकाशन किया गया।
- ङ. मीडिया प्रशिक्षण की अखिल भारतीय कार्यशाला का आयोजन 25 एवं 26 जुलाई 2026 को बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में किया गया। जहाँ 20 राज्यों से 95 प्रतिभागियों ने सहभागिता कर, महासंघ की विचारधारा एवं लक्ष्य को प्रभावी रूप से समाज तक पहुँचाने के लिए डिजिटल एवं सोशल मीडिया के उपयोग का प्रशिक्षण लिया।
- च. अखिल भारतीय वैचारिक प्रबोधन कार्यशाला का आयोजन 8 एवं 9 अगस्त 2026 को GNIOT विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में हुआ। 22 राज्यों से 154 प्रतिनिधियों द्वारा वर्तमान सामाजिक, सांस्कृतिक एवं वैचारिक परिस्थितियों के सन्दर्भ में विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श एवं प्रतिभागियों की वैचारिक दृष्टि सुदृढ़ करने हेतु विषयों के जानकार वक्ताओं का प्रबोधन रहा। देशभर में वैचारिक एवं शैक्षिक विषयों पर 32 राष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें 10315 शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रही।

वानप्रस्थी/पूर्णकालिक कार्यकर्ता

सेवानिवृत्त शिक्षक कार्यकर्ताओं ने सांगठनिक कार्यविस्तार के लिए अपना अधिकाधिक समय देने का निश्चय किया है। इस समय देशभर से 96 वानप्रस्थी कार्यकर्ता कार्यरत हैं। साथ ही इस वर्ष में कुल 150 कार्यकर्ताओं की वाणप्रस्थी के रूप में कार्य करने की योजना है।

शिक्षक समस्याओं के समाधान हेतु गतिविधियाँ

विद्यालय एवं उच्च शिक्षा के शिक्षकों की विभिन्न स्तरों पर उत्पन्न समस्याओं के लिए केंद्र और राज्य इकाइयों द्वारा ज्ञापन पत्र, ज्ञानगोष्ठी, संपर्क, भेटवार्ताओं आदि के माध्यम से निरंतर प्रयास किये गए। संगठन के प्रयासों से कई समस्याओं का समाधान हुआ या समाधान की दिशा में प्रगति हुई।

- 8 जनवरी 2026 को अ. भा. प्रतिनिधिमंडल ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय में माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी से भेंट कर शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) से संबंधित माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 01.09.2025 के निर्णय के संदर्भ में एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया। प्रतिनिधिमंडल ने नियुक्ति तिथि की परवाह किए बिना सभी सेवारत शिक्षकों पर TET अनिवार्य किए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इस निर्णय को पूर्वव्यापी रूप से लागू किये जाने पर देशभर के लगभग 12 लाख शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा, वरिष्ठता, पदोन्नति तथा आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका को व्यक्त किया।
- 24 जून 2026 को माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी से शैक्षिक महासंघ का प्रतिनिधिमंडल, शिक्षक एवं उच्च शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा के लिए मिला। 29 मई 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में वर्ष

2010 से पूर्व नियुक्त विद्यालय शिक्षकों के लिए उत्पन्न परिस्थितियों की चिंता व्यक्त की गई। उनकी सेवा शर्तों एवं भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव की आशंका पर प्रकाश डालते हुए इन्हें विधायी एवं नीतिगत संरक्षण प्रदान करने की मांग रखी गई। साथ ही विकसित भारत शिक्षा अधिनियम (VBSA), उच्च शिक्षा में संस्थागत स्वायत्तता, गुणवत्ता संवर्धन, शिक्षक हितों का संरक्षण, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व, राज्यों एवं विभिन्न हितधारकों की सहभागिता, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहन तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर विशेष बल दिया गया। महासंघ ने सुझाव दिया कि प्रस्तावित विधेयक को ऐसा स्वरूप दिया जाए जो भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक सक्षम, समावेशी, उत्तरदायी एवं राष्ट्रहितकारी बना सके।

- विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025 के सम्बन्ध में उच्च शिक्षा से जुड़े अकादमिक, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक ढाँचे पर महासंघ द्वारा संयुक्त संसदीय समिति को सुझाव प्रेषित किये। महासंघ के अध्यक्ष द्वारा संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष इन बिंदुओं पर संगठन का मत प्रस्तुत किया गया।
- महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के सदस्यों से भेंट कर उनके समक्ष विस्तार से देशभर के शिक्षकों एवं कर्मचारियों से प्राप्त सुझावों के आधार पर तैयार किए गए विस्तृत ज्ञापन में शामिल विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। महासंघ ने 8वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों में महंगाई, जीवन-यापन की बढ़ती लागत, वास्तविक क्रय शक्ति तथा सेवाकाल और सेवानिवृत्ति दोनों के दौरान वित्तीय सुरक्षा को ध्यान में रखने की बात पर जोर दिया।
- 29 मई 2026 के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय से प्रभावित विद्यालय शिक्षा के शिक्षकों के सेवाहितों के संरक्षण की मांग ले कर महासंघ की इकाइयों द्वारा 450 जिला मुख्यालयों पर माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को जिलाधीशों के माध्यम से प्रेषित किये गये।
- TET विषय की समस्या, गंभीरता, मांग के तर्क महासंघ के कार्यकर्ताओं द्वारा अपने राज्य के सांसदों एवं विधायकों के समक्ष भेंट कर प्रस्तुत किये गए एवं जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दिये। राज्य इकाइयों द्वारा 445 सांसदों से संपर्क किया गया।
- राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) सहित सार्वजनिक परीक्षाओं के संचालन, सुरक्षा, स्वरूप एवं प्रशासन में व्यापक सुधार के माध्यम से सुदृढ़, सुरक्षित, पारदर्शी, न्यायसंगत एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप परीक्षा प्रणाली का विकास करने हेतु केंद्र सरकार द्वारा स्थापित उच्चाधिकार प्राप्त परीक्षा सुधार कार्यबल (एचपीटीएफ) को महासंघ द्वारा सुझाव भेजे गए।
- केरल के कासरगोड जिले के कुंबला उपजिला में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित विद्यालयी Social Science Freedom Quiz में स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर से सम्बंधित प्रश्न पूछे जाने पर शिक्षक श्री गुरु प्रसाद के द्वारा निलंबित करने की घटना ने शिक्षा समुदाय के बीच गंभीर चिंता उत्पन्न की। महासंघ द्वारा इस प्रकरण के विरोध में माननीय प्रधानमंत्री, माननीय राज्यपाल (केरल) एवं माननीय मुख्यमंत्री केरल को ज्ञापन प्रस्तुत कर श्री गुरु प्रसाद के निलंबन की तत्काल वापसी, उनकी सेवा बहाली एवं पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जाँच की मांग की गयी। महासंघ की विद्यालय एवं उच्च शिक्षा इकाइयों ने 22 राज्यों के 472 जिलों में जिलाधीशों को इस संदर्भ में ज्ञापन प्रस्तुत कर, शिक्षा की अकादमिक स्वतंत्रता और गरिमा की रक्षा करने तथा शिक्षा को राजनैतिक एवं वैचारिक दबाव से मुक्त रखने की मांग की गई।

आगामी कार्य योजना

- वर्ष 2027 तक विद्यालय क्षेत्र में प्रत्येक मंडल (6-8 विद्यालयों का समूह) तक पहुँचना।
- वर्ष 2027 तक न्यूनतम 400 विश्वविद्यालय में संगठनात्मक रचना खड़ी करना।
- वर्ष 2027 में 17 लाख सदस्यता का लक्ष्य लेकर संगठन का काम आगे बढ़ाना।

अंत में, मैं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के सभी पदाधिकारियों, कार्यकारिणी के सदस्यों एवं देशभर के कार्यकर्ताओं की हृदय से आभारी हूँ जिनके सहयोग से यह सब कुछ संभव हुआ है। जो भी कुछ त्रुटियाँ कार्य में यदि रही हैं, उसके लिए मैं व्यक्तिगत रूप से क्षमा प्रार्थी हूँ।

सादर अभिवादन सहित।



प्रो. गीता भट्ट